सार संक्षेप

हवन-शुद्धिकरण को राजनीतिक रंग देना दुर्भाग्यपूर्ण : स्वामी रसिक महाराज

सवेरा न्यूज (रायवाला/देहरादून): हल्द्वानी के रामलीला मैदान में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की सभा के बाद रामलीला कमेटी द्वारा किए गए हवन एवं शुद्धिकरण को लेकर उठे राजनीतिक विवाद पर संत समाज ने नाराजगी व्यक्त की है। नृसिंह पीठाधीश्वर स्वामी रसिक महाराज, अध्यक्ष सनातन धर्म विकास परिषद उत्तर प्रदेश एवं परमाध्यक्ष नृसिंह वाटिका आश्रम रायवाला, देहरादून ने कहा कि धार्मिक परंपराओं और आस्था से जुड़े विषयों को अनावश्यक रूप से राजनीतिक विवाद का रूप देना उचित नहीं है। स्वामी रसिक महाराज ने कहा कि हवन, पूजन एवं धार्मिक शुद्धिकरण सनातन संस्कृति की प्राचीन परंपराएं हैं। किसी धार्मिक संस्था या कमेटी द्वारा अपनी मान्यताओं के अनुरूप पूजा-अनुष्ठान किया जाना उसका धार्मिक अधिकार है। ऐसे विषयों को राजनीतिक दृष्टिकोण से देखने के बजाय धार्मिक भावनाओं और सामाजिक मर्यादाओं का सम्मान किया जाना चाहिए।

चंबा ब्लॉक प्रमुख सपरिवार पहुंचीं नृसिंह वाटिका आश्रम, स्वामी रसिक महाराज से लिया आशीर्वाद

सवेरा न्यूज (टिहरी गढ़वाल): चंबा ब्लॉक प्रमुख सुमन सजवाण ने बुधवार को सपरिवार रायवाला स्थित नृसिंह वाटिका आश्रम पहुंचकर भगवान नृसिंह देव एवं बाबा रसिकेश्वर महादेव के दर्शन किए तथा नृसिंह पीठाधीश्वर स्वामी रसिक महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान उन्होंने आगामी विधानसभा चुनाव 2027 के लिए भी स्वामी रसिक महाराज से आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन लिया। आश्रम में हुई मुलाकात के दौरान देश और प्रदेश से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' और 'एक शिक्षा' जैसे विषयों के साथ-साथ युवाओं के भविष्य, शिक्षा व्यवस्था, सामाजिक जागरूकता तथा सनातन संस्कृति के संरक्षण को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया।

उत्तराखंड मीडिया इंचार्ज पंखुड़ी पाठक ने चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष प्रीतम सिंह से की मुलाकात

सवेरा न्यूज देहरादून, 2 सितंबर : अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा उत्तराखंड की मीडिया इंचार्ज नियुक्त की गईं पंखुड़ी पाठक ने आज उत्तराखंड कांग्रेस के चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ नेता प्रीतम सिंह से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर प्रदेश में कांग्रेस के मीडिया एवं संचार अभियान को लेकर विस्तार से चर्चा की और मार्गदर्शन लिया। पंखुड़ी पाठक ने चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष प्रीतम सिंह के साथ-साथ उत्तराखंड कांग्रेस के दोनों सह-प्रभारियों सुरेंद्र शर्मा एवं श्री मनोज यादव से भी मुलाकात कर प्रदेश के राजनीतिक परिदृश्य, चुनावी रणनीति तथा मीडिया के माध्यम से पार्टी के जनसरोकारों को प्रभावी ढंग से जनता तक पहुंचाने को लेकर विचार-विमर्श किया।इस दौरान कांग्रेस की मुख्य प्रवक्ता गरिमा मेहरा दसौनी भी उनके साथ मौजूद रहीं। गरिमा मेहरा दसौनी ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए प्रदेश में मीडिया एवं संचार रणनीति को और अधिक प्रभावी एवं समन्वित बनाने की दिशा में यह मुलाकात महत्वपूर्ण रही। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड के जनसरोकारों, भाजपा सरकार की नीतियों से प्रभावित आम जनता के मुद्दों तथा कांग्रेस की नीतियों और आगामी चुनावी एजेंडे को तथ्यों एवं मजबूती के साथ जनता के सामने रखना मीडिया विभाग की प्राथमिकता होगी। गरिमा मेहरा दसौनी ने कहा कि पंखुड़ी पाठक के अनुभव, ऊर्जा और रणनीतिक दृष्टिकोण से प्रदेश में कांग्रेस के मीडिया अभियान को निश्चित रूप से नई गति और धार मिलेगी। मुलाकात के दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष लालचंद शर्मा एवं वीरेंद्र पोखरियाल भी मौजूद रहे।

नगर निगम ऋषिकेश परिसर में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की

सवेरा न्यूज ऋषिकेश, 2 सितंबर : पृथक उत्तराखंड राज्य निर्माण आंदोलन के दौरान 2 सितंबर 1994 को हुए मसूरी गोलीकांड में शहीद आंदोलनकारियों की स्मृति में बुधवार को नगर निगम ऋषिकेश परिसर में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। नगर निगम के मेयर शंभू पासवान ने शहीद आंदोलनकारियों के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पृथक उत्तराखंड राज्य की मांग को लेकर शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे लोगों पर हुआ मसूरी गोलीकांड राज्य आंदोलन के इतिहास का अत्यंत दुखद अध्याय है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड राज्य का गठन आंदोलनकारियों और मातृशक्ति के संघर्ष, त्याग एवं बलिदान का परिणाम है।मेयर ने कहा कि राज्य आंदोलनकारियों के बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। मौके पर संजय शास्त्री, बलबीर सिंह नेगी, गंभीर मेवाड़, कुसुमलता शर्मा, रमेश रतूड़ी, आशुतोष डंगवाल, एचएन. चंद आदि मौजूद रहे।

पाठक एवं एजेंट नोट करें
दैनिक सवेरा टाइम्स, द सवेरा टाइम्स में विज्ञापन एवं सर्कुलेशन संबंधी पूछताछ एवं किसी समस्या के बारे निम्नलिखित नम्बर पर सम्पर्क करें :
0181-2370100 Ext:- 102
98885-03754
ई-मेल: circulation@dainiksaveratimes.net

गंगोत्री ग्लेशियर क्षेत्र में दिखाई देने वाली छोटी हिमनदीय झीलों से तत्काल बड़े खतरे की स्थिति नहीं : वाडिया

मीडिया में प्रसारित खबरों के संबंध में यूएसडीएमए ने वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान से मांगी स्थिति की जानकारी

सवेरा न्यूज

देहरादून, 2 सितंबर : गंगोत्री ग्लेशियर क्षेत्र में कुछ छोटी हिमनदीय झीलों के दिखाई देने तथा इनके कारण संभावित खतरे से संबंधित खबरें विभिन्न मीडिया माध्यमों में प्रसारित हो रही थीं। इन खबरों के संदर्भ में उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान, देहरादून से इस संबंध में वैज्ञानिक स्थिति एवं वर्तमान परिस्थितियों की जानकारी प्राप्त की गई। वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान की ओर से ई-मेल के माध्यम से उपलब्ध नवीनतम उपग्रह चित्रों, क्षेत्रीय अवलोकनों तथा ग्लेशियर की भौगोलिक एवं जलवैज्ञानिक परिस्थितियों के आधार पर स्थिति स्पष्ट की गई है।

वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान के अनुसार उपलब्ध सेटेलाइट इमेज, क्षेत्रीय अवलोकनों तथा ग्लेशियर की भौगोलिक एवं जलवैज्ञानिक परिस्थितियों के आधार पर यह स्पष्ट किया जाता है कि इस क्षेत्र में देखी जाने वाली अधिकांश छोटी ग्लेशियल झीलें अस्थायी प्रकृति की हैं तथा इनमें जल की मात्रा बहुत कम होती है। इन झीलों का निर्माण मुख्यतः ग्लेशियर की सतह पर बर्फ के पिघलने से बने छोटे-छोटे अवसादों में जल के अस्थायी रूप से एकत्रित होने के कारण होता है। तापमान, हिमपिघलन, वर्षा तथा ग्लेशियर की सतह की परिस्थितियों में परिवर्तन के साथ इन झीलों का आकार और जल की मात्रा तेजी से बदल सकती है। परिणामस्वरूप, ये झीलें कुछ समय के लिए दिखाई देती हैं और बाद में जल के निकास, बर्फ के पुनः जमने अथवा सतही परिवर्तन के कारण स्वतः समाप्त हो जाती हैं।

गंगोत्री ग्लेशियर क्षेत्र में देखी गई इन झीलों का आकार अपेक्षाकृत छोटा तथा जल आयतन बहुत कम है। इनमें सामान्यतः बड़े हिमनदीय झीलों की तरह विशाल मात्रा में जल संचित होने की क्षमता नहीं होती। इसलिए वर्तमान उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर इन छोटी सुप्राग्लेशियल झीलों से अचानक बड़े पैमाने पर बाढ़ अथवा ग्लेशियर लेक आउटबर्स्ट फ्लड जैसी किसी गंभीर आपदा का तत्काल खतरा नहीं पाया गया है। यह भी स्पष्ट करना आवश्यक है कि सभी जल निकायों को एक ही श्रेणी में रखना उचित नहीं है। किसी हिमनदीय झील के संभावित खतरे का आकलन केवल उसके अस्तित्व के आधार पर नहीं, बल्कि उसके आकार, जल आयतन, जल संचयन की प्रकृति, बांध, हिमनदीय संरचना, संभावित निकासी मार्ग तथा आसपास की भौगोलिक परिस्थितियों के समग्र अध्ययन के आधार पर किया जाता है। गंगोत्री ग्लेशियर क्षेत्र में समय-समय पर दिखाई देने वाली छोटी सुप्राग्लेशियल झीलें मुख्यतः अस्थायी, छोटे आकार की तथा कम जल मात्रा वाली हैं। इनका निर्माण और विलुप्त होना ग्लेशियर की प्राकृतिक मौसमी एवं सतही प्रक्रियाओं का हिस्सा है। वर्तमान वैज्ञानिक आकलन के अनुसार इन छोटी झीलों से किसी बड़े तात्कालिक खतरे की स्थिति नहीं है। हिमालयी ग्लेशियरों एवं हिमनदीय झीलों में जलवायु तथा हिमपिघलन की परिस्थितियों के कारण समय के साथ होने वाले परिवर्तनों की निगरानी के लिए वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान, देहरादून द्वारा उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, देहरादून के सहयोग से ऐसी हिमनदीय झीलों की उपग्रह आधारित तथा क्षेत्रीय निगरानी पहले से ही की जा रही है। इसके अंतर्गत उपग्रह आंकड़ों के माध्यम से नियमित निगरानी के साथ-साथ आवश्यकता के अनुसार क्षेत्रीय वैज्ञानिक सर्वेक्षण एवं अध्ययन भी किए जाते हैं, ताकि हिमनदीय झीलों में होने वाले परिवर्तनों तथा उनसे जुड़े संभावित जोखिमों की समय रहते पहचान की जा सके। यह भी महत्वपूर्ण है कि प्रत्येक हिमनदीय झील की प्रकृति, भौगोलिक स्थिति, जलग्रहण क्षेत्र, हिमनदीय परिस्थितियों तथा स्थानीय भू-आकृतिक विशेषताएं अलग-अलग होती हैं। प्रत्येक झील के संभावित जोखिम का आकलन उसके स्थानीय भौगोलिक, हिमनदीय एवं जलवैज्ञानिक परिस्थितियों के आधार पर पृथक रूप से किया जाना आवश्यक होता है।

लोक भवन में आयोजित हुई एकीकृत चिकित्सा संगोष्ठी चिकित्सा की विभिन्न पद्धतियों के समन्वय पर जोर

एकीकृत चिकित्सा से रोगी और मानवता को बेहतर स्वास्थ्य देने का लक्ष्य: राज्यपाल

सवेरा न्यूज

देहरादून, 2 सितंबर : लोक भवन में बुधवार को हेमवती नंदन बहुगुणा उत्तराखण्ड चिकित्सा शिक्षा विश्वविद्यालय, द्वारा एकीकृत चिकित्सा संगोष्ठी आयोजित की गई। इस संगोष्ठी में देश-विदेश के चिकित्सा विशेषज्ञों, शिक्षाविदों और विभिन्न चिकित्सा पद्धतियों से जुड़े विशेषज्ञों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में महर्षि इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, अमेरिका के प्रो. एवं चेयर, डिपार्टमेंट ऑफ इंटीग्रेटिव मेडिसिन डॉ. चार्ल्स एल्डर और अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ फिजिशियंस ऑफ इंडियन ओरिजिन के डॉ. अमित शाह ने भी अपने विचार रखे। इस अवसर पर भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा, पद्मश्री डॉ. एस.सी. मनचंदा, पूर्व राज्यसभा सांसद तरुण विजय, नेशनल कमीशन फॉर इंडियन सिस्टम ऑफ मेडिसिन की चेयरपर्सन डॉ. मनीषा कोठेकर तथा एचएनबी उत्तराखण्ड चिकित्सा शिक्षा विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. (डॉ.) भानु दुग्गल ने 'इंटीग्रेटिव मेडिसिन' विषय पर आयोजित पैनल चर्चा में प्रतिभाग किया।

इस अवसर पर आयुष, आईसीएमआर-एनआईआरडीएच और हेमवती नंदन बहुगुणा उत्तराखण्ड चिकित्सा शिक्षा विश्वविद्यालय के बीच सहयोग के लिए एमओयू भी हुआ। इसका उद्देश्य आयुष को आधुनिक चिकित्सा एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य पहलों से जोड़ना, डिजिटल स्वास्थ्य में प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण को बढ़ावा देना तथा एआई और दूरस्थ निगरानी जैसी तकनीकों के माध्यम से अनुसंधान एवं नवाचार को गति देना है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने कहा कि एकीकृत चिकित्सा किसी चिकित्सा पद्धति के दूसरी पद्धति से प्रतिस्पर्धा की बात नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य सभी चिकित्सा प्रणालियों की सामूहिक शक्ति का उपयोग करते हुए रोगी और संपूर्ण मानवता को बेहतर स्वास्थ्य प्रदान करना है।उन्होंने कहा कि दुनिया में इस दिशा में एक नई सोच और जागरूकता विकसित हो रही है तथा भारत और उत्तराखण्ड को इसमें महत्वपूर्ण नेतृत्वकारी भूमिका निभानी होगी।

केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों और आधुनिक विज्ञान के बीच बेहतर समन्वय पर जोर देते हुए कहा कि आयुष मंत्रालय इस दिशा में राज्य सरकार के साथ मिलकर कार्य करेगा। केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री ने कहा कि एकीकृत चिकित्सा व्यवस्था के लिए आयुष मंत्रालय, राज्य सरकार, विश्वविद्यालयों, मेडिकल कॉलेजों और अनुसंधान संस्थानों के बीच मजबूत सहयोग आवश्यक है। उन्होंने कहा कि एलोपैथी, आयुर्वेद और अन्य चिकित्सा पद्धतियों के विशेषज्ञों को रोगी के बेहतर स्वास्थ्य को केंद्र में रखकर संयुक्त अनुसंधान, प्रशिक्षण और शैक्षणिक कार्यक्रमों को बढ़ावा देना चाहिए।उन्होंने हेमवती नंदन बहुगुणा उत्तराखण्ड चिकित्सा शिक्षा विश्वविद्यालय से राज्य में एकीकृत चिकित्सा का पहला ''सेंटर ऑफ एक्सीलेंस'' स्थापित करने की दिशा में पहल करने का आह्वान किया और कहा कि इस महत्वपूर्ण पहल के लिए केंद्र सरकार विश्वविद्यालय और राज्य सरकार को पूरा सहयोग प्रदान करेगी। कार्यक्रम में चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री सुबोध उनियाल, योग गुरु स्वामी रामदेव, विधायक दुर्गेश्वर लाल, सचिव राज्यपाल रविनाथ रामन, सचिव रंजना राजगुरु, अपर सचिव रीना जोशी, अपर सचिव विजय कुमार जोगदण्डे, कुलपति आयुर्वेद विश्वविद्यालय डॉ. अरुण कुमार त्रिपाठी सहित विभिन्न मेडिकल कॉलेजों के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

पुलिस लाइन देहरादून में आयोजित की गई पासिंग आउट सेरेमनी

7 माह के कडे प्रशिक्षण के बाद शामिल हुए होमगार्डस के 15 हवलदार प्रशिक्षक

सभी प्रशिक्षुओं को पूरी लगन एवं सत्यनिष्ठा के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने की दिलाई शपथ

सवेरा न्यूज

देहरादून, 2 सितंबर : हवलदार प्रशिक्षक (होमगार्ड) के 07 माह के गहन प्रशिक्षण पूर्ण होने के उपरान्त पुलिस लाइन देहरादून में प्रशिक्षण को पूर्ण करने वाले 15 प्रशिक्षुओं की पासिंग आउट सेरेमनी का आयोजन किया गया, जिसमें वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून द्वारा मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होकर प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले सभी प्रशिक्षुओं का उत्साहवर्धन किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून द्वारा सभी उत्तीर्ण प्रशिक्षुओ को पद एवं गोपनीयता का शपथ दिलाई गई। प्रशिक्षण के दौरान सभी हवलदार प्रशिक्षुओं को अन्त कक्ष प्रशिक्षण में भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम, विविध अधिनियम, विविध अधिनियम, भारतीय संविधान, पुलिस एवं होमगार्ड संगठन, कर्मचारी आचरण नियमावली तथा बाहय कक्ष प्रशिक्षण में पदादि प्रशिक्षण, शस्त्र प्रशिक्षण, फील्ड क्राफ्ट, पुलिस प्रशिक्षण पीटी/पीई, योगा तथा यूएसी आदि का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। अन्तः कक्ष परीक्षाओं में हवलदार प्रशिक्षक होमगार्ड हिमानी करायत, बाहय कक्ष परीक्षाओं में हवलदार प्रशिक्षक होमगार्ड सूरज सिंह तथा सम्पूर्ण प्रशिक्षण के दौरान हवलादार प्रशिक्षक ललित सिहं सर्वांग सर्वोत्तम रहे। इसके अतिरिक्त हवलदार प्रशिक्षक ललित सिह परेड कमाण्डर के रूप में भी नियुक्त रहे। परीक्षाओं एवं प्रशिक्षण में उत्कृष्ठ प्रदर्शन करने वाले सभी अभ्यर्थियों को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून द्वारा ट्राफी देकर सम्मानित किया गया। इसके उपरान्त वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून द्वारा सभी उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को उनके कर्तव्यों की महत्वता समझाते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई। पासिंग आउट परेड के दौरान पुलिस अधीक्षक नगर, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, जनपद के समस्त क्षेत्राधिकारी, प्रतिसार निरीक्षक पुलिस लाइन, समस्त आरटीसी स्टाफ तथा प्रशिक्षण पास करने वाले सभी अभ्यर्थियों के परिजन मौजूद रहे।

कार्यक्रम जाम्बिया, लिथुआनिया और जमैका में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ राजनयिकों ने डीजीपी से की शिष्टाचार भेंट

सीमा सुरक्षा, आपदा प्रबंधन और आधुनिक साइबर पुलिसिंग पर हुआ सार्थक संवाद

सवेरा न्यूज

देहरादून, 2 सितंबर : भारत के तीन देशों में उच्चायुक्त एवं राजदूत के रूप में सेवाएं दे रहे वरिष्ठ राजनयिकों ने बुधवार को उत्तराखंड के पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ से शिष्टाचार भेंट की। मध्यावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत उत्तराखंड भ्रमण पर आए जाम्बिया में भारत के उच्चायुक्त आलोक रंजन झा, लिथुआनिया में भारत के राजदूत देवेश उत्तम तथा जमैका में भारत के उच्चायुक्त मयंक जोशी ने देहरादून स्थित सरदार पटेल भवन में पुलिस महानिदेशक से मुलाकात की।

भेंट के दौरान पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ ने वरिष्ठ राजनयिकों को उत्तराखंड की विशिष्ट भौगोलिक एवं सामरिक परिस्थितियों के अनुरूप पुलिस की कार्यप्रणाली और सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी दी। उन्होंने राज्य में आपदा के दौरान राहत एवं बचाव अभियान, सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा प्रबंधन, जीवंत ग्राम कार्यक्रम तथा चारधाम यात्रा और कांवड़ यात्रा के दौरान सुरक्षा एवं भीड़ प्रबंधन की व्यवस्था के बारे में विस्तार से बताया।

उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में पर्यटन और तीर्थाटन लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुरक्षा के साथ यातायात एवं भीड़ को व्यवस्थित करना पुलिस के सामने महत्वपूर्ण चुनौती है। कुंभ जैसे बड़े धार्मिक आयोजनों में भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था के लिए विभिन्न स्तरों पर व्यापक तैयारियां की जाती हैं।

पुलिस महानिदेशक ने आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल को प्रभावी पुलिसिंग का महत्वपूर्ण आधार बताया। उन्होंने निगरानी के लिए ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों के उपयोग, यातायात प्रबंधन, आपदा की स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया, साइबर अपराध से निपटने की व्यवस्था तथा विभिन्न सुरक्षा एवं प्रशासनिक एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय की जानकारी दी।

इस दौरान उत्तराखंड की सीमा सुरक्षा व्यवस्था और सीमावर्ती गांवों के विकास से जुड़े जीवंत ग्राम कार्यक्रम पर भी चर्चा हुई। बदलती सुरक्षा चुनौतियों के बीच सीमावर्ती क्षेत्रों में पुलिस एवं अन्य सुरक्षा एजेंसियों के बीच समन्वय को महत्वपूर्ण बताया गया।

वहीं, तीनों वरिष्ठ राजनयिकों ने जाम्बिया, लिथुआनिया और जमैका की भौगोलिक, सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक परिस्थितियों के साथ वहां की सुरक्षा और प्रशासनिक व्यवस्थाओं की जानकारी साझा की। भारत के इन तीनों देशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंधों तथा सुरक्षा, तकनीक, आपदा प्रबंधन और बेहतर कार्यप्रणालियों के पारस्परिक आदान-प्रदान की संभावनाओं पर भी विचार-विमर्श हुआ।

नशा तस्करों के विरुद्ध दून पुलिस की कार्यवाही जारी

सवेरा न्यूज

देहरादून, 2 सितंबर : वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून द्वारा सभी अधीनस्थों को अपने-अपने क्षेत्र में अवैध मादक पदार्थों/शराब की तस्करी में लिप्त अभियुक्तों को चिन्हित करते हुए उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई किए जाने हेतु कड़े निर्देश निर्गत किए गए हैं। इसी क्रम में थाना राजपुर पुलिस पर गठित टीम द्वारा सीएसआई तिराहा ओल्ड मसूरी रोड के पास से दौरान चैकिंग 01 अभियुक्त अमरनाथ को 380 ग्राम चरस के साथ गिरफ्तार किया गया, अभियुक्त के विरुद्ध थाना राजपुर में धारा- 8/20 एनडीपीएस एक्ट में अभियोग पंजीकृत किया गया।

कोतवाली विकासनगर : पुलिस द्वारा 01 अभियुक्त को 53 पाउच माल्टा मसालेदार देशी शराब के साथ किया गिरफ्तार चैकिंग के दौरान विकासनगर बस अड्डा बाजार विकासनगर के पास से एक अभियुक्त चन्दन पुत्र प्रेम सिंह को 53 पाउच माल्टा मसालेदार देशी शराब के साथ गिरफ्तार कर अभियुक्त के विरुद्ध कोतवाली विकास नगर में धारा 60 आबकारी एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया। अभियुक्त पूर्व में भी आबकारी अधि व अन्य आपराधिक अभियोगों में जेल जा चुका है।

नि:शुल्क शुभकामनाएं/संदेश
दैनिक सवेरा टाइम्स
नन्हे मुन्ने का हो जन्मदिन या
हो आपकी वैवाहिक वर्षगांठ
आपकी खुशियों में शामिल
दैनिक सवेरा परिवार

अपनी या अपनों की फोटो भेजें
हम प्रकाशित करेंगे नि:शुल्क
इन नम्बरों पर Whatsapp भेजें:
Contact No. 93891-60526
Email: brand@dainiksaveratimes.in

केनरा बैंक Canara Bank
A Government of India Undertaking
सिंडिकेट Syndicate Bank

आस्ति वसूली प्रबंधन शाखा
आर्य समाज रोड, करोल बाग, नई दिल्ली–110005
ईमेल: CB2365@CANARABANK.COM

ई–नीलामी बिक्री सूचना

एतद्द्वारा सर्वसाधारण को और विशेष रूप से ऋणी(यों) व गारंटरों को सूचित किया जाता है, कि प्रतिभूति ऋणदाताओं को बंधक/दृष्टिबंधक/प्रभारित नीचे वर्णित चल/अचल सम्पत्ति, जिस पर केनरा बैंक, के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा कब्जा लिया गया है, को "जहां है जैसी है", "जो है कैसी है" और जैसी भी है" के आधार पर नीचे वर्णित दिनांकों को बंधक सम्पत्ति की बिक्री आयोजित की जाएगी। प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 8(6) और 9 के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन धारा अधिनियम 2002 के अधीन बिक्री के विस्तृत नियमों और शर्तों के लिए कृपया https://baanknet.com/ (मैसर्स पीएसबी एलायंस प्राइवेट लिमिटेड),. (सम्पर्क नं. 8291220220, ईमेल: Support.BAANKNET@psballiance.com या केनरा बैंक की वेबसाइट www.canarabank.com में दिए गए लिंक "ई–नीलामी" को देखें। आरक्षित मूल्य की 10% ईएमडी राशि मैसर्स पीएसबी एलायंस प्राइवेट लिमिटेड https://baanknet.com/ पोर्टल के ई–वॉलेट में सीधे जमा की जानी है या चालान बनाकर उक्त चालान में उल्लिखित खाता विवरण में आरटीजीएस/एनईएफटी के माध्यम से ईएमडी जमा करना है।

क्र. सं.	शाखा का नाम / कर्जदार/गारंटर्स/बंधककर्ता का नाम एवं पता	चल/अचल संपत्ति का विवरण और कब्जे की स्थिति	कुल बकाया राशि	a. आरक्षित मूल्य (रु.) b. धरोहर राशि (रु.) c. बोली वृद्धि (रु.) d. बिक्री सूचना की तिथि	ई–नीलामी की तिथि एवं समय (प्रत्येक 5 मिनट की अवधि के असीमित विस्तार के साथ) / ईएमडी जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय	प्राधिकृत अधिकारी से पूर्व अपॉइंटमेंट लेकर सम्पत्ति का निरीक्षण किया जा सकता है और सम्पर्क व्यक्ति का नाम
1	आस्ति वसूली प्रबंधन शाखा श्री विनोद नेगी पुत्र श्री नरोत्तम सिंह नेगी, उधारकर्ता मकान संख्या 2, वार्ड संख्या 31, शांति विहार, वार्ड संख्या–31, देहरादून, उत्तराखंड–248001 श्री गुरुबख्श सिंह पुत्र श्री राजिंदर सिंह राजन, बंधककर्ता एवं गारंटर, पता–1: मकान संख्या– 4डी, इंदर रोड, डालनवाला, देहरादून, उत्तराखंड–248001 पता–2: भवन संख्या 458 और 458/1, कैनाल रोड, जाखन, देहरादून, उत्तराखंड– 248001 श्रीमती तेजिंदर कौर पत्नी गुरुबख्श सिंह, बंधककर्ता एवं गारंटर, पता–1: मकान संख्या– 4डी, इंदर रोड, डालनवाला, देहरादून, उत्तराखंड–248001, पता–2: भवन संख्या 458 और 458/1, कैनाल रोड, जाखन, देहरादून, उत्तराखंड– 248001	1. आवासीय संपत्ती साम्पिक बंधक नए खसरा संख्या 853 (पुराना खसरा संख्या 587 मिन) का हिस्सा, जिसका क्षेत्रफल 200.04 वर्ग गज या 167.26 वर्ग मीटर है, गांव– जाखन, परगना परवा दून, तहसील– सदर, जिला– देहरादून में स्थित है, जो श्री गुरुबख्श सिंह के नाम पर दर्ज है, **जिसकी सीमाएँ निम्नलिखित हैं:** **पूर्व** : 50 फीट चौड़ा कैनाल रोड, जिसकी लंबाई 22 फीट है, **पश्चिम:** विद्या मंदिर सोसाइटी की संपत्ति, जिसकी लंबाई 21 फीट है, **उत्तर:** श्रीमती तेजिंदर कौर की भूमि, जिसकी लंबाई 86 फीट है, **दक्षिण:** श्री सुरेंदर नागपाल की भूमि, जिसकी लंबाई 82 फीट है **(सांकेतिक कब्जे के अंतर्गत संपत्ति)** 2. आवासीय संपत्ती साम्पिक बंधक नए खसरा संख्या 853 (पुराना खसरा संख्या 587 मिन) का हिस्सा, जिसका क्षेत्रफल 200.04 वर्ग गज या 167.26 वर्ग मीटर है, गांव– जाखन, परगना परवा दून, तहसील– सदर, जिला– देहरादून में स्थित है, जो श्रीमती तेजिंदर कौर के नाम पर दर्ज है, **जिसकी सीमाएँ निम्नलिखित हैं:** **पूर्व** : 50 फीट चौड़ा कैनाल रोड, जिसकी लंबाई 21 फीट 9 इंच है, **पश्चिम:** विद्या मंदिर सोसाइटी की संपत्ति, जिसकी लंबाई 20 फीट है, **उत्तर:** विद्या मंदिर सोसाइटी की भूमि, जिसकी लंबाई 88 फीट है, **दक्षिण:** श्री गुरुबख्श सिंह की भूमि, जिसकी लंबाई 86 फीट है **(सांकेतिक कब्जे के अंतर्गत संपत्ति)**	रू. 2,51,18,485.62 (दो करोड़ इक्यावन लाख अठारह हजार चार सौ पचासी रुपये और बासठ पैसे मात्र) 27.12.2021 तक, साथ ही आगे का ब्याज, खर्च, अन्य शुल्क आदि	a. Rs 391.00 लाख b. Rs 39.10 लाख c. Rs 50,000/- d. 29.08.2026	12.10.2026 अपराह्न 02.00 बजे से अपराह्न 03.00 बजे के बीच 12.10.2026 अपराह्न 12.00 बजे तक	श्री सुमित कुमार, मोबाइल नंबर: 9833800011 और श्री मनोज कुमार, (प्राधिकृत अधिकारी) मोबाइल नंबर: 8826933887

दिनांक: 29.08.2026, स्थान : नई दिल्ली Internal प्राधिकृत अधिकारी, केनरा बैंक